11 फरवरी, 2020

प्रिय बच्चों,

मेरे एक सहकर्मी हैं जो आज बहुत गर्व के साथ अपनी वकील बेटी की कहानी को याद करते हैं। यह कुछ बरस पहले की बात है जब उनकी बेटी बोर्ड की परीक्षा दे रही थी। आजकल के कई अन्य माता-पिता की तरह, उन्हें भी रातों नींद नहीं आती थी और दिन तनाव भरे रहते थे, क्योंकि वह अपनी बेटी के साथ बैठकर उसे दोहराने में सहायता करते थे। जब उसके परिणाम सामने आए, मेरे सहयोगी निराश हो गए, क्योंकि उनके अनुसार उनकी बेटी ने औसत प्रदर्शन किया था। जब उस दिन बाद में उनकी बेटी उत्साह से कार्यालय में उनके पास रिपोर्ट कार्ड लाई, और उनका उदास चेहरा देखा तो उसने कहा: "पापा उदास न हों। आपने अपने श्रेष्ठ प्रयास किए हैं"! मैं इस अनूठे बच्चे के सहज तर्क और भावना की सराहना करने से अपने आप को नही रोक सकती क्योंकि यह सही ढंग से इस समझ को दर्शाता है कि बोर्ड परीक्षा कैसे आपके जीवन को नियंत्रित नहीं करती और न ही कर सकती है!

विद्यालयी शिक्षा केवल बोर्ड परीक्षा के बारे में नहीं है। अब जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं, तो मुझे प्राय: आश्चर्य होता है कि मैंने वास्तव में अपने स्कूल अध्ययन से क्या प्राप्त किया। मुझे पिकनिक, वार्षिक मेले, खेल-कूद और वार्षिक (उत्सव) दिन, मित्रगण और मौज-मस्ती, साझा करना और देखभाल करना, हँसी-खुशी और आँसू याद हैं। किंतु अध्ययन की बातें मुझे स्पष्ट याद नहीं हैं, जैसे इतिहास में बहुत सी तारीखें थी जिन्हें मैंने तब याद किया था, लेकिन वास्तव में आज याद नहीं हैं। मैं समय-समय पर अपने दोस्तों से कहती, "जीवन में कुछ भी करो, लेकिन इतिहास रचने से बचना। अगली पीढ़ी के बच्चे आपको कभी माफ नहीं करेंगे"।

भूगोल में, मैं प्राय: अमेरिका को कोसती थी कि उनकी वनस्पति और जीव अफ्रीका से पूरी तरह से अलग क्यों हैं। दुनिया समान रूप से सरल क्यों नहीं हो सकती है? गणित में, तो मैं एलिस इन वंडरलैंड की तरह थी। मैंने भौतिकी में अनुप्रयोगों को बहुत अच्छी तरह से समझा, लेकिन मेरे व्यवहार में जड़त्व या "विराम में रहना जब तक बल लागू नहीं होता" ही रहा । मेरे लिए रसायन विज्ञान अंग्रेजी वर्णमाला और अरबी अंको के खरबों के विभिन्न संयोजन थे। लेकिन जीवविज्ञान एक विषय था जिसने मेरी जिज्ञासा को जगाया। मुझे इस विषय से इतना प्यार था कि सिर्फ मनोरंजन के लिए मैं लाल रक्त कणिका या सूत्रकणिका (माइटकान्ड्रीअन) की आत्मकथा लिखती। यहाँ मुझे अपने लिए सहज और उपयुक्त स्थान मिला। ये कला कक्ष और पाठ्येतर गतिविधियां थी जिनमें मैं अकादमिक से अधिक प्रदर्शन के लिए अभिमुख होती थी। मुझे इस तथ्य से प्यार था कि मैं अपने हाथ में कुछ रंगो से खाली कैनवास पर कुछ भी रच सकती थी, या एक मिनट वाद-विवाद में या मूक शब्द पहेली खेल (गेम ऑफ़ डम शरैड) में दिमागी कसरत करती थी, या मंच पर अभिनय करते हुए सबसे लंबे संवादों को आसानी से याद करती थी। मुझे लगता है कि यही वे क्रिया-कलाप हैं, जिसने मुझे साहसिक गतिविधियों को आजमाने के लिए बहुत 'आउटगोइंग' बनाया, जिनमें नौकरशाही का जीवन भी एक हैं ! हालाँकि मुझे जो याद नहीं है, वो ये है कि मेरी बोर्ड परीक्षा में कौन से प्रश्न पूछे गए थे या उनके जवाब कैसे दिए थे ।

मैं यह सब आपके साथ इसलिए साझा कर रही हूँ क्योंकि मैं चाहती हूं कि आप यह जान लें कि हम वयस्क लोग जहां आज हैं वहां स्कूल के दिनों में प्रत्येक विषय और प्रत्येक गतिविधि में अच्छे होने से नहीं पहुंचे हैं। विद्यालयी शिक्षा में हमारे समक्ष निश्चित रूप से विभिन्न विषय अनावृत होते हैं, लेकिन यह जीवन पर्यंत अधिगम करने की कला सीखने और मूल्यों एवं कौशल का अर्जन करने के बारे में कहीं अधिक है।

आप 21वीं सदी के बच्चे हैं! भविष्य में नियोक्ता इस बात की अधिक फ़िक्र नहीं करेंगे कि आपको विद्यालय में कितने मिले। इसके बजाय वे जानना चाहेंगे, कि आप कड़ी मेहनत करने में सक्षम हैं या नहीं या रचनात्मक व्यक्ति हैं या नहीं। कुछ आपकी आलोचनात्मक चिंतन और समस्या निवारण की क्षमताओं की जांच कर सकते हैं।

अन्य आपके अच्छे सम्प्रेषण या सहयोग कौशल पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। परन्तु सभी जानना चाहेंगे कि क्या आप ईमानदार हैं, व्यवहार में सैद्धांतिक हैं, आपमें लैंगिक संवेदनशीलता है, आप एक अच्छे नागरिक हैं, समावेशी हैं, और एक टीम का हिस्सा हो सकते हैं। आपको ज्ञात हो या अज्ञात, मुझे यकीन है कि आपने, पहले से ही इन और ऐसे ही कई और कौशलों और मूल्यों को आत्मसात कर लिया है, और इसलिए, जहां तक आपके भविष्य का सवाल है, तो इसमें आप सभी पहले ही अच्छी तरह से सफल हो चुके हैं!

आपने अपने जीवन में कई ऊंचाईयां भी प्राप्त की हैं; आपने रेंगकर चलना सीखा, अस्पष्ट उच्चारण से बात करना सीखा, दोस्त बनाना सीखा, टीमवर्क करना, पढ़ना, लिखना, खेलना, पेंट करना, नाचना, गाना, इंटरनेट पर खोजना, खाना बनाना, बागवानी करना, अपने बड़ों का सम्मान करना, अपनी संस्कृति को आत्मसात करना सीखा, इस तरह आपने जो सीखा उसकी लंबी सूची है। ये प्रत्येक आपके व्यक्तित्व को गढ़कर बेमिसाल रत्न बनाने में सहायक रही हैं, जो आप आज हैं। उस सूची में हजारों चीजों का परीक्षा सिर्फ एक हिस्सा है; वास्तव में, ये उतनी बड़ी नहीं हैं जितनी कि बना दी गई हैं। ये आपकी वास्तविक क्षमता और विशिष्टता की खोज की दिशा में आपकी यात्रा के मील के पत्थर मात्र हैं। और इस सूची में प्रत्येक दूसरी चीज़ की तरह, जिसे आपने सीखा है, यह सब एक विश्वास के साथ शुरू होता है कि: मैं यह कर सकती हूँ!

आपके मूल्यों और दक्षताओं से सज्जित स्वनिर्मित रचनात्मक भविष्य आगे आपका इंतजार कर रहा है। इसलिए, अपनी अनन्य क्षमताओं से लैस होकर अब आगे बढ़ें और अपनी चिंताओं को मिटा दें, कड़ी मेहनत करके अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन करें।

बच्चों, मुझे विश्वास है कि आप इसमें निश्चय ही सफल होंगे !

आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएं | ईश्वर आपका भला करे !

अध्यक्षा
केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड